Sixteenth Loksabha

an>

Title: Presentation of a statement showing Demands for Excess Grants for 2015-16.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SHIPPING (SHRI PON RADHAKRISHNAN): On behalf of Shri Piyush Goyal, I beg to present a statement (Hindi and English versions) showing Demands for Excess Grants for 2015-16.

माननीय अध्यक्ष : आप मेरी एक बात सुनिए, पहले आप बैठिए। मेरी समझ में नहीं आता आपके हाथ में भी हाउस के बिजनेस का पेपर रहता होगा, गौरव बेटा, वह जरा देखा करो। आपको जब मालूम है कि पूरा पेपर लेइंग होने के बाद मैं आपकी तरफ देखूंगी। पेपर लेइंग में यदि कुछ ऑब्जैक्शनेबल हो तो आपको अलाऊ करूंगी।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अधीर रंजन जी, आप बैठिए। ये सब कुछ जब आपको मालूम है, आपके नोटिसेज भी मेरी टेबल पर पड़े रहते हैं, मैं बाद में भी रोज एक घंटा सबको अलाऊ कर रही हूं। मैं कभी विषयों पर बोलने के लिए मना नहीं कर रही हूं तो भी आप चिल्लाकर अपना गला खराब करते हो और मुझे मजबूर करके मेरा गला खराब करते हो, आप ऐसा क्यों करते हो? आप भी सीनियर मैम्बर हो, मैं आपको भी बोल रही थी कि बैठो तो सही। पेपर लेइंग के बाद मैं आपकी तरफ देखूंगी, मैं आपको मना तो नहीं करती हूं।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : चाहने से क्या होता है, आप सब सीनियर लोग हो, आपके यहां बिजनेस भी पहुंचता है, नम्बर देखा करो कि पेपर लेइंग हुआ कि नहीं हुआ। आप क्यों चिल्लाते हो? अभी चंदूमाजरा जी, आप बोलिए।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वह अच्छी बात बोल रहे हैं, उन्हें बोलने दीजिए।